Second year Higher secondary Second Terminal Examination, December 2023

Unofficial Answer Key
Subject: HINDI

(Prepared by SHAJI.S, Govt.HSS Nedungolam, Kollam)

(1)हिमांशु जोशी
(2) शेषफन
(3) आत्मकथा
(4) मुरकी उर्फ बुलाकी
(5) तीन
(6) इक कमरेवाली झोंपड़ी में रहती है।

(7) सपने के घर में खाने-पीने और सोने केलिए अलग-अलग कमरे हैं। इसके अलावा रसोई और पूजा का कमरा भी है।

(8) आस्वादन टिप्पणी:
कवि परिचय दिया है।
कवितांश का आशय ग्रहण किया है।
विश्लेषण करके आशय लिखा है।
अपने मत का समर्थन किया है।

(9) बादशाह ने अनेक व्यक्तियों को देखा है जो आखिर में दूसरों के भेजे जासूस साबित हुए। इसलिए बादशाह के मन में ऐसा शक हुआ।

(10) रजिस्ट्री के बाद ज़मीन दूसरों की हो जाएगी। फ़िर दूसरों की जमीन में किसलिए जाना है, इसलिए रजिस्ट्री के पहले पिताजी को खेत देखने की इच्छा हुई।

(11) मातृभूमि ने सब कुछ प्रदान कर हमारा पालन पोषण किया है। उसकी निस्वार्थ सेवाओं के लिए प्रत्युपकार करना असंभव है।

(12) जीवन-वृत्त के आधार पर अनुच्छेद लेखन :
डॉ. भगवतशरण अग्रवाल
डॉ. भगवतशरण अग्रवाल का जन्म 1930 को उत्तरप्रदेश के बरेली में हुआ। वे हिंदी के प्रमुख हाइकू लेखक हैं।" इंद्रधनुष " उनका हाइकू संग्रह है।उन्होंने अपनी रचनाओं से हिंदी काव्य जगत में हाइकू को एक अलग पहचान दिलाया।

(13) टिप्पणी: दोस्ती की विशेषताएँ:
दोस्ती जीवन की अमूल्य संपत्ति है। दोस्ती जीवन के लिए ज़रूरी होती है। सच्चे दोस्त हमारे सुख-दुख में, हार - जीत में हमारे साथ होंगे। सच्चा दोस्त एक मार्गदर्शक भी है।दोस्ती जीवन को रोमांचकारी बनाती है।

(14) राजवंती के चरित्र पर टिप्पणी:
राजवंती माँ "मुरकी उर्फ
बुलाकी" कहानी का प्रमुख पात्र है। उनके इन कथनों से पता चलता है कि वे एक आदर्श नारी है। वे मुरकी को अपनी बेटी के समान प्यार करती थी। वे मुरकी को प्यार से मुरकी बुलाती थी कभी बुलाकी। निराश्रय मुरकी को आश्रय भी दिया। उनके हृदय दया, क्षमा, ममता, करुणा, प्यार एवं वात्सल्य से भरे हुए थे।

(15) हाइकू का आशय लेखन :

कवि परिचय दिया है।
हाइकू का आशय ग्रहण किया है।
आशय का विश्लेषण किया है।

(16) एक सौ तीस साल पहले जो प्रथम भारतीय श्रमिक सूरीनाम आए थे उनके आगमन की स्मृति में हिंदी महापर्व का अहसास जता रहे हैं।

(17) संक्षेपण :

मुख्य आशय का चयन किया है।
अनावश्यक विस्तार को छोडा है।
संक्षिप्तता है।
उचित शीर्षक दिया है।

(18) सूरदास के पद का भावार्थ :

सूरदास के बारे में लिखा है।
पद का आशय ग्रहण किया है।
पद का आशय सरल भाषा में लिखा है।
अपना मत प्रकट किया है।

(19 बातचीत:

(मुरकी और दयालु व्यक्ति के बीच)
विषयवस्तु का सही चयन किया है।
बातचीत की शैली अपनाई है।
कल्पना है।
स्वाभाविक भाषा का प्रयोग किया है।

(20) पोस्टर :

आशय ग्रहण किया है।
उचित शब्द या वाक्यांश का प्रयोग ।
पोस्टर की शैली अपनाई है।
आकर्षक बनाया है।

(21)पत्र लेखन :

(सहेली के नाम दीदी का पत्र)
सही शुरूआत है।
पारिवारिक पत्र की रूपरेखा है।
पत्र की भाषा शैली है।
संकेतों को विकसित किया है।

(22) हिंदी में अनुवाद:

खेल प्रत्येक मानव जीवन केलिए आवश्यक है। यह हमारे अंगों को चेतावनी रखता है। यह लोगों के व्यक्तित्व में सुधार लाता है।

(23) सही मिलान :

Commerce- वाणिज्य
Advance - पेशगी
Ecology - पारिस्थितिकी
Virus - विषाणु
Geometry - रेखागणित
Percent - प्रतिशत
Discount - बट्टा
Borrower- उधारकर्ता

(24) इलेक्ट्रिक कार पर विज्ञापन:

विषय की सही पहचान।
उचित शब्द या वाक्यांश का प्रयोग ।
विज्ञापन की शैली अपनाई है।
आकर्षक बनाया है।

(25) पिताजी की डायरी :

डायरी की रूपरेखा।
अनुभवों को क्रमबद्ध किया है।
आत्मनिष्ठ भाषा का प्रयोग किया है।
डायरी आकर्षक बनाया है।

(26) लेखक का आत्मकथांश :

शीर्षक दिया है।
अनुभवों को क्रमबद्ध किया है।
संकेतों को विकसित किया है।
आत्मकथा की शैली अपनाई है।